चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25.12.25	2	1-4

हकृवि में 49वां कुलपति सम्मेलन पांच जनवरी से

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि विश्वविद्यालय एसोसिएशन (आइएयूए) के सहयोग से 5-6 जनवरी को 49वें कुलपति सम्मेलन का आयोजन करेगा, जिसका विषय खेत से भविष्य तक : कृषि में नए आयामों की खोज है। इसके दो उप विषय भी होंगे 'विकसित भारत 2047 : कृषि संस्थानों की भूमिका और योगदान' व 'सतत कृषि भविष्य के लिए परंपरा और प्रौद्योगिकी का सामंजस्य'। सम्मेलन में देश के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल होंगे।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि इस दौरान कृषि, बागवानी, पशुपालन और

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय • जागरण आर्काइव

मछली पालन क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों, खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और किसानों के कल्याण हेतु विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी। इसका उद्देश्य विकसित भारत-2047 और उससे आगे के लिए एक व्यापक रूपरेखा तैयार करना है। इस सम्मेलन में कुलपतियों और अधिकारियों के बीच सार्थक चर्चा से सतत आधार पर खाद्य व पोषण सुरक्षा तथा किसानों के कल्याण को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ (आइएयूए) की स्थापना 10 नवंबर 1967 को की गई थी। जिसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालयों और राज्यों में कृषि अनुसंधान, शिक्षा और प्रसार को बढ़ावा देना व देश में ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित करना है।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश यादव ने बताया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इस सम्मेलन का आयोजन एक प्रमुख कार्यक्रम है क्योंकि हाल ही में हकृवि को राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब), आइसीएआर, नई दिल्ली द्वारा ए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का दर्जा मिला है। विश्वविद्यालय को जल संरक्षण में बेहतरीन कार्य करने के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान के रूप में महामहिम राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.12.25	4	7-8

एचएयू में 49वां वीसी सम्मेलन का 5 व 6 जनवरी को आयोजन

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि विश्वविद्यालय एसोसिएशन आईएयूए के सहयोग से 5-6 जनवरी, 2026 को 49वां कुलपति सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसका विषय खेत से भविष्य तक : कृषि में नए आयामों की खोज है। इसके दो उप विषय भी होंगे विकसित भारत 2047 : कृषि संस्थानों की भूमिका और योगदान व सतत कृषि भविष्य के लिए परंपरा और प्रौद्योगिकी का सामंजस्य। इस सम्मेलन में देश के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल होंगे।

एचएयू वीसी प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि इस दौरान कृषि, बागवानी, पशुपालन और मछली पालन क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों, खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और किसानों के कल्याण हेतु विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी। इसका उद्देश्य विकसित भारत-2047 और उससे आगे के लिए एक व्यापक रूपरेखा तैयार करना है।

इस सम्मेलन में कुलपतियों और अधिकारियों के बीच सार्थक चर्चा से सतत आधार पर खाद्य व पोषण सुरक्षा तथा किसानों के कल्याण को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। भारतीय कृषि विवि संघ आईएयूए की स्थापना 10 नवंबर 1967 को की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालयों और राज्यों में कृषि अनुसंधान, शिक्षा और प्रसार को बढ़ावा देना व देश में ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	25-12-25	4	1

हरिभूमि

हकृवि में 49वां कुलपति सम्मेलन 5 जनवरी से

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भारतीय कृषि विश्वविद्यालय एसोसिएशन के सहयोग से 5-6 जनवरी को 49वें कुलपति सम्मेलन का आयोजन करेगा। इसका विषय खेत से भविष्य तक कृषि में नए आयामों की खोज है। इसके दो उप विषय भी होंगे 'विकसित भारत 2047' कृषि संस्थानों की भूमिका और योगदान' व 'सतत कृषि भविष्य के लिए परंपरा और प्रौद्योगिकी का सामंजस्य'।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.12.25	5	1

हकृवि में 49 वां कुलपति सम्मेलन 5 जनवरी से, कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति होंगे शामिल

हिसार, 24 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि विश्वविद्यालय एसोसिएशन के सहयोग से 5-6 जनवरी, 2026 को 49 वें कुलपति सम्मेलन का आयोजन करेगा, जिसका विषय खेत से भविष्य तक: कृषि में नए आयामों की खोज है। इसके दो उप विषय भी होंगे 'विकसित भारत 2047: कृषि संस्थानों की भूमिका और योगदान' व 'सतत कृषि भविष्य के लिए परंपरा और प्रौद्योगिकी का सामंजस्य'। इस सम्मेलन में देश के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल होंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि इस दौरान कृषि, बागवानी, पशुपालन और मछली पालन क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों, खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और किसानों के कल्याण हेतु विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी। इसका उद्देश्य विकसित भारत-2047 और उससे आगे के लिए एक व्यापक रूपरेखा तैयार करना है।

इस सम्मेलन में कुलपतियों और अधिकारियों के बीच सार्थक चर्चा से सतत आधार पर खाद्य व पोषण सुरक्षा तथा किसानों के कल्याण को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ की स्थापना 10 नवंबर 1967 को की गई थी। जिसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालयों और राज्यों में कृषि अनुसंधान, शिक्षा और प्रसार को बढ़ावा देना व देश में ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	25-12-25	1	1

एचएयू में 49वां कुलपति सम्मेलन 5 जनवरी से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में 5 और 6 जनवरी को 49वां कुलपति सम्मेलन का आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में देश के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल होंगे। भारतीय कृषि विश्वविद्यालय एसोसिएशन (आईएयूए) के सहयोग से आयोजित सम्मेलन का विषय खेत से भविष्य तक : कृषि में नए आयामों की खोज है। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ-छोर	25-12-25	3	6 8

हकृवि में कुलपति सम्मेलन 5 जनवरी से, कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति लेंगे भाग

नभ-छोर न्यूज ⏭ 24 दिसंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि विश्वविद्यालय एसोसिएशन (आईएयूए) के सहयोग से 05-06 जनवरी को कुलपति सम्मेलन का आयोजन करेगा। इस सम्मेलन में देश के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि इस दौरान कृषि, बागवानी, पशुपालन और मछली पालन क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों, खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और किसानों के कल्याण के लिए विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी। इसका उद्देश्य विकसित भारत-2047 और उससे आगे के लिए एक व्यापक रूपरेखा तैयार करना है। इस सम्मेलन में कुलपतियों और अधिकारियों के बीच सार्थक चर्चा से सतत आधार पर खाद्य व पोषण सुरक्षा तथा किसानों के कल्याण को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ (आईएयूए) की स्थापना 10 नवंबर 1967 को की गई थी। जिसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालयों और राज्यों में कृषि अनुसंधान, शिक्षा और प्रसार को बढ़ावा देना व देश में ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित करना है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इस सम्मेलन का आयोजन एक प्रमुख कार्यक्रम है क्योंकि हाल ही में हकृवि को राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब), आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा ए+ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का दर्जा मिला है। विश्वविद्यालय को जल संरक्षण में बेहतरीन कार्य करने के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान के रूप में महामहिम राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है। एनआईआरएफ-2025 में विश्वविद्यालय ने देश के कृषि विश्वविद्यालयों में 5वीं और सभी कृषि संस्थान श्रेणी में 10वीं रैंकिंग प्राप्त की है। बता दें कि विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान में अग्रणी है और अब तक 305 विभिन्न फसलों की किस्मों का विकास किया जा चुका है। इसके साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ 655 एमओयू/सहमति पत्र भी किए गए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	25.12.2025	--	--

हकृवि में 5-6 जनवरी को 49वां कुलपति सम्मेलन, कृषि के भविष्य पर होगा मंथन

हिसार (सच कहूँ/मुकेश)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि), हिसार में भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ के सहयोग से 05-06 जनवरी, 2026 को 49वां कुलपति सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन का मुख्य विषय खेत से भविष्य तकः कृषि में नए आयामों की खोज रहेगा। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि सम्मेलन में कृषि, बागवानी, पशुपालन और मत्स्य पालन से जुड़े मुद्दों के साथ खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और किसानों के कल्याण पर गहन चर्चा की जाएगी। इसका उद्देश्य विकसित भारत-2047 के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए कृषि क्षेत्र की दीर्घकालीन रणनीति तैयार करना है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि हकृवि को हाल ही में आईसीएआर-नैब द्वारा ए+ मान्यता, राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय जल पुरस्कार-2024, तथा एनआईआरएफ-2025 में देश में 5वीं कृषि विश्वविद्यालय रैंकिंग प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय अब तक 305 फसलों की किस्में विकसित कर चुका है और 655 राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय एमओयू किए गए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
वायरल सच न्यूज	24.12.2025	--	--

हकृवि में 49वां कुलपति सम्मेलन 5 जनवरी से

हिसार, वायरल सच (महेंद्र गोयल) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि विश्वविद्यालय एसोसिएशन (आईएयू) के सहयोग से 05-06 जनवरी, 2026 को 49वें कुलपति सम्मेलन का आयोजन करेगा, जिसका विषय खेत से भविष्य तक: कृषि में नए आयामों की खोज है। इसके दो उप विषय भी होंगे विकसित भारत 2047: कृषि संस्थानों की भूमिका और योगदान व सतत कृषि भविष्य के लिए परंपरा और प्रौद्योगिकी का सामंजस्य। इस सम्मेलन में देश के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने बताया कि इस दौरान कृषि, बागवानी, पशुपालन और मछली पालन क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों, खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और किसानों के कल्याण हेतु विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी। इसका उद्देश्य विकसित भारत-2047 और उससे आगे के लिए एक व्यापक रूपरेखा तैयार करना है। इस सम्मेलन में कुलपतियों और अधिकारियों के बीच सार्थक चर्चा से सतत आधार पर खाद्य व पोषण सुरक्षा तथा किसानों के कल्याण को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ (आईएयू) की स्थापना 10 नवंबर 1967 को की गई थी। जिसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालयों और राज्यों में कृषि अनुसंधान, शिक्षा और प्रसार को बढ़ावा देना व देश में ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित करना है।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इस सम्मेलन का आयोजन एक प्रमुख कार्यक्रम है क्योंकि हाल ही में हकृवि को राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब), आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा ए+ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का दर्जा मिला है। विश्वविद्यालय को जल संरक्षण में बेहतरीन कार्य करने के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान के रूप में महामहिम राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है। एसआईआरएफ-2025 में विश्वविद्यालय ने देश के कृषि विश्वविद्यालयों में 5वीं और सभी कृषि संस्थान श्रेणी में 10वीं रैंकिंग प्राप्त की है । बता दें कि विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान में अग्रणी है और अब तक 305 विभिन्न फसलों की किस्मों का विकास किया जा चुका है। इसके साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ 655 एमओयू/सहमति पत्र भी किए गए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	24.12.2025	--	--

हकृवि में 49वां कुलपति सम्मेलन 5 जनवरी से-देश के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति होंगे शामिल

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि विश्वविद्यालय एसोसिएशन (आईएयू) के सहयोग से 05-06 जनवरी, 2026 को 49वें कुलपति सम्मेलन का आयोजन करेगा, जिसका विषय खेत से भविष्य तक कृषि में नए आयामों की खोज है। इसके दो उप विषय भी होंगे 'विकसित भारत 2047- कृषि संस्थानों की भूमिका और योगदान' व 'सतत कृषि भविष्य के लिए परंपरा और प्रौद्योगिकी का सामंजस्य'। इस सम्मेलन में देश के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने बताया कि इस दौरान कृषि, बागवानी, पशुपालन और मछली पालन क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों, खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और किसानों के कल्याण हेतु विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी। इसका उद्देश्य विकसित भारत-2047 और उससे आगे के लिए एक व्यापक रूपरेखा तैयार करना है। इस सम्मेलन में कुलपतियों और अधिकारियों के बीच सार्थक चर्चा से सतत आधार पर खाद्य व पोषण सुरक्षा तथा किसानों के कल्याण को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ (आईएयू) की स्थापना 10 नवंबर 1967 को की गई थी। जिसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालयों और राज्यों में कृषि अनुसंधान, शिक्षा और प्रसार को बढ़ावा देना व देश में ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित करना है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इस सम्मेलन का आयोजन एक प्रमुख कार्यक्रम है क्योंकि हाल ही में हकृवि को राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब), आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा ए+ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का दर्जा मिला है। विश्वविद्यालय को जल संरक्षण में बेहतरीन कार्य करने के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान के रूप में महामहिम राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है। एनआईआरएफ-2025 में विश्वविद्यालय ने देश के कृषि विश्वविद्यालयों में 5वीं और सभी कृषि संस्थान श्रेणी में 10वीं रैंकिंग प्राप्त की है । बता दें कि विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान में अग्रणी है और अब तक 305 विभिन्न फसलों की किस्मों का विकास किया जा चुका है। इसके साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ 655 एमओयू/सहमति पत्र भी किए गए हैं।